nwda.gov.in

जल शोधन के साथ खाद भी देता है ग्रीन एसटीपी

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली: डीटीयू (दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) परिसर स्थित ग्रीन एसटीपी ऐसा अनूठा जल शोधन संयंत्र है, जहां प्राकृतिक तरीके से पानी को शुद्ध किया जाता है।

प्रो. प्रतीक शर्मा

जल शोधन के साथ-साथ यह ग्रीन एसटीपी खाद और केंचुए भी पैदा करता है। एसटीपी हर साल लगभग सवा तीन लाख किलो लीटर सीवरयुक्त पानी को साफ करता है। इसके अलावा साल में करीब पांच हजार किलोग्राम खाद भी पैदा करता है।

ग्रीन एसटीपी में लकड़ी के टुकड़ों से भरे प्लास्टिक क्रेट को दिखाते हुए डीटीयू के पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख डा. अनिल हरितश ● जागरण

पिछले महीने अमेरिका से आए शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने डीटीयू के ग्रीन एसटीपी प्रोजेक्ट का दौरा किया और इस तकनीकी की प्रशंसा भी की। वर्ष 2019 में इस एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) की स्थापना की गई थी, उस समय किसी भी शिक्षण संस्थान में लगा पहला संयंत्र था। डीटीयू के पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख डा. अनिल हरितश का कहना है कि यह एसटीपी पूरी तरह से पर्यावरण मित्र तो है ही, साथ ही इसमें बिजली की खपत भी बहुत कम है।

डीटीयू के कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए डीटीयू सजग शिक्षण संस्थान है। अपने दायित्वों को लेकर गंभीर है। यहां की प्रत्येक शैक्षिक एवं शोध गतिविधि में सामाजिक कल्याण तथा राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा दिया जाता है।